jftLVªh laö Mhö ,yö&33004@99 REGD. NO. D. L.-33004/99

la- 26] ubZ fnYyh] c`gLifrokj] tuojh 14] 2016@ikS"k 24] 1937

No. 26] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 14, 2016/ PAUSA 24, 1937

कारपोरेट कायञ्ळा

मं्ालय

अिधसूचना

नई ठदॣली, 13 जनवरी,

2016

सा.का.िन. 26(अ).—कच्ंीय सरकार, कंपनी अिधिनयम, 2013 (2013 का 18) कइ धारा 469 के साथ पढ़ठत धारा 125 कइ उपधारा (5), उपधारा (6) और उपधारा (7) ठारा ॢदत् शि्य का ॢयोग करते ॠए िन्िलिखत िनयम बनाती है, अथाञ्ळात् –

1. संि्् नाम, ाि् और ॢारंभ.- (1) इन िनयम का संि्् नाम िविनधानकताञ्ळा िश्ा और संर्ण िनिध ॢािधकरण (अ॥य् और सद्य कइ िनयुि्, बैठक का आयोजन और कायाञ्ळालय और अिधकाइरय के िलए उपाबंध) िनयम, 2016 है ।

2.ये िनयम राजप् मच ॢकाशन कइ तारीख को ॢवृ् हगे।

2. पइरभाषाएं.- (1) इन िनयम मच, जब तक संदभञ्ळा से अ३यथा अपेि्त न हो, -

(क) "अिधिनयम" से कंपनी अिधिनयम, 2013 अिभॢेत है;

(ख) "ॢािधकरण" से अिधिनयम कइ धारा 125 कइ उपधारा (5) के अधीन गइठत िविनधानकताञ्ळा िश्ा और संर्ण

िनिध ॢािधकरण अिभॢेत है;

(ग) "अ॥य्" से इन िनयम के िनयम (5) के अधीन िनयु् ॢािधकरण का अ॥य् अिभॢेत है;

(घ) "कंपनी" से अिधिनयम कइ धारा 2 कइ उपधारा (20) मच यथापइरभािषत कंपनी अिभॢेत है और इसमच ब.ककारी

कंपनी (उपÆम का अजभ्रान और अंतरण) अिधिनयम, 1970 (1970 का 5) कƨ धारा 2 कƨ उपधारा

(घ) और

197 GI/2016 (1)

ब.ककारी कंपनी (उपÆम का अजभ्रान और अंतरण) अिधिनयम, 1980 (1980 का 40) कƨ धारा 2 के

खंड (ख) मƓ यथापƣरभािषत 'तःथानीय नया ब.क' सिम्मिलत है;

(ङ) "िनिध" से अिधिनयम कƨ धारा 125 के अधीन ःथािपत िविनधानकताभ्रा िशŢा और संरŢण

िनिध (आईईपीएफ) अिभŮेत है;

(च) "िविनधानकताभ्रा" से ऐसा ॄ ि अिभŮेत है िजसने अिधिनयम के अधीन रिजःÇीकृत ƭकसी

कंपनी के ƭकसी ःकƨम या योजना के अधीन शेयर या िडबƓचर, बंधपऽ या िनŢेप मƓ पैसा

लगाया है;

(छ) "सदःय" से अिधिनयम कƨ धारा 125 कƨ उपधारा (6) के अधीन िनयु Ůािधकरण के सदःय

अिभŮेत ह.; (ज) "धारा" से अिधिनयम कƨ धारा अिभŮेत है।

(2)इन िनयम मƓ Ůयु शŀद और अिभिय िजƛहƓ पƣरभािषत नहƸ ƭकया गया है ƭकतु

अिधिनयम मƓ या कंपनी (पƣरभाषा ŀयौर का िविनदƷश) िनयम, 2014 मƓ पƣरभािषत ƭकया गया है, के

Æमशः वही अथभ्रा हगे जो अिधिनयम या उ िनयम मƓ ƭदए गए ह.।

3. Ůािधकरण कƨ ःथापना.- Ůािधकरण कƨ ःथापना ऐसी तारीख को कƨ जाएगी जो कƱीय

सरकार अिधसूिचत करे। 4. Ůािधकरण का संघटन.- (1) Ůािधकरण िनिलिखत से िमलकर

बनेगा, अथाभ्रात् –

(क) अƗयŢ;

(ख) छह सदःय; और

(ग) मुय कायभ्रापालक अिधकारी ।

(2) मुय कायभ्रापालक अिधकारी Ůािधकरण का संयोजक होगा।

5. Ůािधकरण का अƗयŢ.- सिचव, कारपोरेट कायभ्रा मंऽालय Ůािधकरण के पदेन अƗयŢ हगे।

6. Ůािधकरण का मुय कायभ्रापालक अिधकारी.- कƱीय सरकार मुय कायभ्रापालक अिधकारी के पद

पर ƭकसी ॄ ि कƨ िनयुि करेगी।

7. ◌ाि◌धकरण के सद◌्य.– क◌ं◌ीय सरकार ि◌न्ि◌लिखत को ◌ाि◌धकरण के सद◌्य को ◌प म◌ ि◌नयु□ कर सकेगी, अथा◌ात्-

(i)भारतीय ◌रजव◌ा ब.क ◌ारा पदेन सद◌्य के ◌प म◌ नामिनंद◌् ि◌□ ि◌जसका दजा◌ा काय◌ापालक ि◌नदेशक से कम न हो; (ii)भारतीय ◌ि◌तभूि◌त और ि◌विनमय बोड◌ा ◌ारा पदेन सद◌्य के ◌प म◌ नामिनंद◌् ि◌□ ि◌जसका दजा◌ा काय◌ापालक ि◌नदेशक से कम न हो;

(iii)चार ◌ि◌तिर्ि◌ ◌ि◌□, जो ि◌व◌, ◌बंधन, लेखांकन या ि◌विध म◌ ि◌वशेष ◌ि◌ान और ◌यूनतम पं◌ह वष□ का अनुभव रखते ह□। इन ◌ि◌◌ म◌ से ◌◌येक ि◌वषय से एक ◌ ि◌□ ि◌नयु□ ◌कया जाएगा और ऐसे ◌ ि◌□ के पास ऐसा ि◌वशेष ◌ि◌ान या ◌ वसाि◌यक अनुभव होगा, जो क◌ं◌ीय सरकार क◌ राय के अनुसार ◌ाि◌धकरण के ि◌लए उपयोगी होगा।

8. ◌ाि◌धकरण के सद◌्य□ क◌ ि◌नबंधन.- (1) ि◌नयम 7 के खंड (iii) के अधीन ि◌नयु□ ◌ाि◌धकरण के सद◌्य क◌ ि◌नबंधन तीन वष◌ा होगी और वह पुनः ि◌नयुि◌□ का पा◌ होगा;

परंतु कोई सद◌्य तीन ि◌नबंधन□ से अिधक तक पदधारण नह◌ कर सकेगा।

परंतु यह और ◌क कोई सद◌्य उसक◌ ि◌नबंधन के पू◌ात् तीन वष◌ा क◌ उपशमन अविध के पू◌ात् ही पुनः ि◌नयुि◌□ का पा◌ होगा।

(2) उपिनयम (1) म◌ अंत◌◌ ◌कसी बात के रहते ◌ए भी, क◌ं◌ीय सरकार ि◌नयम 7 के खंड (iii) के अधीन ि◌नयु□ ◌कसी सद◌्य क◌ सेवा उपिनयम (4) म◌ उि◌लिखत कारण□ के ि◌लए तीन महीने से अ◌यून अविध क◌ ि◌लिखत नो◌टस देकर उपिनयम (1) के अधीन ि◌विनंद◌ अविध के समा◌ होने से पूव◌ा समा◌ कर सकती है और ◌कसी सद◌्य के पास भी क◌ं◌ीय सरकार को

[1]Hkkx IIμ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 3

तीन महीने से अ◌यून अविध क◌ ि◌लिखत नो◌टस देकर उपिनयम (1) के अधीन ि◌विनंद◌ अविध के समाि◌ से पहले पद◌याग करने का अिधकार होगा।

(3) िनयम 7 के खंड (iii) के अधीन िनयु सदय का कायकाल तीन वष कऽ अविध या 65 वष कऽ

आयु, जो भी पूवतर हो,

तक होगा।

(4) केीय सरकार ठकसी सदय को कायालय से हटा सकती है, यठद वह—

(क)ठदवािलया है या ठकसी समय ठदवािलया ायिनणयन ठकया गया है;

(ख)िवकृतिचत है और ठकसी सम ायालय ारा यह ायिनणयन ठकया गया है।

(ग)केीय सरकार कऽ राय म ठकसी अपराध का िसदोष है, िजसम नैितक अधमता भी अंतविलत है;

(घ)केीय सरकार कऽ राय म अपने पद का इस तरह दुपयोग ठकया है ठक उसका लगातार कायकाल लोकिहत के
िलए हािनकारक होगा।

परंतु ठकसी सदय को इस उप-िनयम के अधीन मामले कऽ सुनवाई का युियु अवसर ठदए िबना नह हटाया जाएगा।

9. ािधकरण के अिधकािरय और कमचािरय कऽ संया.- ािधकरण म अिधकािरय और अय

कमचािरय कऽ संया इन

िनयम कऽ अनुसूची I म अिधकिथत कऽ तरह होगी िजससे िलिपकऽय सहायता और ठदन-ितठदन के

काय हो सक।

10. ािधकरण के काय.- (1) अिधनियम के उपबंध के अधीन, ािधकरण का कत

िविनधानकता िशा और संरण

िनिध का शासन करना होगा।

(2) ािधकरण के मामल का साधारण बंधन मुय कायपालक अिधकारी करगे, जो ािधकरण

ारा उह ािधकृत कऽ गई

सभी शिय का योग कर सकते ह.।

(3) मुय कायपालक अिधकारी अय कऽ अधीण और िनदेशानुसार सभी काय करगे।

(4) उपाबंध कऽ ़ ापकता पर ▯ितकूल ▯भाव डाले िबना, ▯ािधकरण के काय मः िन्िलिखत सि◌िमलत ठकए जाएंगे,

अथा‱त्:-

(क) ▯ािधकरण, अपने काय के िनरी◌ण के िलए ◌थायी सिमितय का गठन कर सकेगी।

(ख) ▯◌येक सिमित मः दो सद◌य मः समािव◌ह गे, मु◌य काय‱पालक अिधकारी और संबंिधत काया‱◌मक ▯मुख, जो

सिमित के सिचव ह गे। सिमित कऽ अ◌य◌ता एक पदेन सद◌य ◌ारा कऽ जाएगी।

(ग) सिमित ठकसी िविनंद◌मु◌े पर अपेि◌त होने पर िवश◌◌ान और द◌ता वाले िवशेष◌ को भी आमंि◌त कर

सकती है;

(घ) अपेि◌त होने पर ▯ािधकरण िनिध और शेयर ▯बंधन से संबंिधत काय‱ आउटसोस‱ भी करवा सकती है।

(ड़) ▯ािधकरण के ़ ापक काया‱◌मक ▯भाग इन िनयम कऽ अनुसूची-2 के अनुसार ह गे।

11. अिधवेशन.- (1) ▯ािधकरण और इसकऽ सिमितयां ऐसे समय और ◌थान पर बैठक करःगी जो यह आव◌यक समझे। (2) ▯ािधकरण और इसकऽ सिमितयां बैठक के आयोजन के िलए अपनी ◌वयं कऽ ▯ठ◌या अवधा◌रत करःगे।

(3) यठद ▯ािधकरण या इसकऽ सिमितय को मु◌यालय नई ठद◌ली के अलावा बैठक का आयोजन अ◌य◌ करना है तो ▯ािधकरण के अ◌य◌ से इसके कारण उपद◌शत करते ◌ए अनुमोदन अिभ▯ा◌ करना होगा।

(4) ▯ािधकरण और इसकऽ सिमितयां एक ितमाही मः कम से कम एक बैठक और एक िव◌ीय वष‱ मः ऐसी चार बैठकः करःगी: परंतु लगातार दो बैठक मः एक सौ बीस ठदन से अिधक अंतराल नह◌ होना चािहए।

(5) ▯ािधकरण कऽ बैठक कऽ अ◌य◌ता, अ◌य◌ ◌ारा कऽ जाएगी।

(6) यठद ठकसी कारण के िलए अ◌य◌ बैठक मः उपि◌थत होने मः असमथ‱ ह. तो सद◌य ◌ारा

बैठक मᱶ उपि᭭थत सद᭭यᲂ मᱶ से चुना गया कोई अ᭠य सद᭭य बैठक कᳱ अ᭟यᭃता करेगा।

(7) ᮧािधकरण या इसकᳱ ᳰकसी सिमित मᱶ ᳰकसी ᮧ᳤पर मतभेद होने के मामले मᱶ बᱟमत को अंितम

िनणᭅय माना जाएगा।

(8) ᮧािधकरण कᳱ ᳰकसी बैठक मᱶ कारबार के सं

वहार मᱶ गणपूᳶत ᮧािधकरण के िनयुᲦ सद᭭यᲂ के 50% से अिधक होगी।

(9) ᳰकसी सिमित कᳱ ᳰकसी बैठक मᱶ कारबार के संवहार मᱶ सिमित के दो सद᭭य गणपूᳶत का गठन करᱶगे।

(10) ᮧािधकरण या सिमित के ᳰकसी गैर शासकᳱय सद᭭य ᳇ारा या िवशेष आमंᮢी ᳇ारा

ᮧािधकरण या सिमित के

कायᭅ के संबंध मे कᳱ गई याᮢा के िलए बैठक मᱶ उपि᭭थत होने के िलए वा᭭तिवक ᳞य भारत

सरकार के ᭸ये

ᮧशासिनक ᮰ेणी के एक अिधकारी के िलए इस तरह के ᳞य कᳱ अिधकतम सीमा के अनुसार ᳰदया

जाएगा।

12. कितपय मामलᲂ मᱶ सद᭭य का बैठक मᱶ भाग न लेना.- कोई सद᭭य, िजसका ᮧािधकरण या इसकᳱ

सिमितयᲂ कᳱ ᳰकसी

बैठक मᱶ िवचार मᱶ लाए गए ᳰकसी मामले मᱶ ᮧ᭜यᭃ या अᮧ᭜यᭃ आᳶथक िहत है, सुसंगत

पᳯरि᭭थितयᲂ का उसे पता चलने के

बाद ऐसी बैठकᲂ मᱶ उसके िहत के ᮧकार का यथाशीᮖ ᮧकटीकरण करेगा और ऐसा ᮧकटीकरण

ᮧािधकरण और इसकᳱ

सिमितयᲂ कᳱ कारᭅवािहयᲂ के िलए अिभिलिखत ᳰकया जाएगा तथा वह सद᭭य ᮧािधकरण और इसकᳱ

सिमितयᲂ के इस

मामले के संबंध मᱶ ᳰकसी भी िवचार िवमशᭅ और िनणᭅय मᱶ भाग नहᱭ लेगा।

13. ᳯरिᲦयां आᳰद, ᮧािधकरण कᳱ कायᭅवाही अिविधमा᭠य न होना.- ᮧािधकरण और इसकᳱ सिमितयᲂ

का कोई भी कायᭅ या

कायᭅवाही केवल इस कारण से अमा᭠य नहᱭ कᳱ जाएगी ᳰकः-

(क)ाधिकरण और इसकी सिमितय के ठकसी ईरि या गठन मग कोई ुुईट है;

(ख)ाधिकरण और इसकी सिमितय के ठकसी सदय के ऊप मग कायरत ठकसी ि की

िनयुि मग कोई ुुईट है;

(ग)ाधिकरण और इसकी सिमितय की ठ्या मग कोई अिनयिमतता जो मामले के गुणदोष को

भािवत नहह करती

है;

14. सदभावपूवक की गई कारवाई के िलए संरण.- सदभावना मग ठकए गए या इन िनयम के अधीन

ठकए जाने वाले काय

के िलए केंीय सरकार या ाधिकरण या केंीय सरकार के ठकसी अिधकारी या ाधिकरण के

ठकसी सदय या अिधकारी

या अय कमचारी के िव कोई वाद अिभयोग या अय िविधक कायवाही नहह की जाएगी।

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)º Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 5

अनुसूची 1

क्र.सं.	पदनाम	वेतनमान	पद की संया
1.	महाबंधक	पी.बी.-4+ जीपी #. 8700	01
2.	सहायकमहाबंधक	पी.बी.-3+ जीपी #. 5400	01
3.	ये लेखा अिधकारी	पी.बी.-3+ जीपी #. 5400	01
4.	सहायकलेखा अिधकारी	पी.बी.-2+ जीपी #. 4800	02

अनुसूची 2

ाधिकरण के कायामक अनुभाग

(1) शासन:

(i)िनिध के उेय को पूरा करने के िलए, आवयक या ठीक समझे जाने वाले सभी शासिनक

काय की थापना,

सुसित करना, अनुरण और शासिनक पचालन करना

(ii)ाधिकरण और ाधिकरण संबंधी मामल की सिमितयां।

(2) िनवेश/िनिध ॄबंधन:

(i)जमा रािशय का अनुर॑ण, ठकसी राॆ ीयकृत ब.क के ॅयाजधारी खाते मॆ इसका िनवेश करना।

(ii)ॄािधकरण का जमा खाता खोलना और िविनधानकताॅं के खाता ॄॅ याभूितय को इसमॆ ॑ थानांतिरत करना और दावे के िनपटारे के पॆ चात ॄितभूितय को िविनधानकताॅं खाते मॆ अंतिरत करना।

(3) दावा और िनपटान:

(i)अिधिनयम कॆ धारा 125 कॆ उपधारा (3) के खंड (क) के और उसके अंतगॅंत बनाए गए िनयम के अनुसार िविनधानकताॅं ॅारा दजॅं कराए गए दाव के संबंध मॆ पाॆ िविनधानकताॅं को सही ॄठॅया पालन करने के पॆ चात ॄितदाय करना।

(ii)अदालत या ॄािधकरण के आदेशानुसार गबन कॆ गई रािश का िवतरण।

(iii)िविधक और ॄवतॅंन िवभाग के साथ परामशॅं करके वापस कॆ गई रािश का िवतरण अिधकरण या ॄािधकरण,

यथािॅथित के आदेशानुसार ठकसी ऐसे पाॆ और पहचाने गए ॄितभूितधारी को करना िजसने ठकसी ॅयि त के गलत काय के सॅयक से नुकसान कॆ हो। िवतिरत कॆ जाने वाली रािश ठकसी िवशेष आदेश संबंधी वापस कॆ गई रािश तक सीिमत होनी चािहए और िवतरण के िलए ठकसी अॅय रािश का उपयोग नहॆ ठकया जा सकता है।

(4) िविध और ॄवतॅंन:

(i)अनुपालन नहॆ करने वाली कंपिनय/ॅयि तय के िवॆ िविधक मामल कॆ शुॆआत।

(ii)दावा या िनपटान अथवा अॅय ठकसी िववाद से उॅप िविधक मामल और िववाद पर कायॅंवाही करना।

(iii)अिधिनयम कॆ धारा 37 और धारा 245 के अधीन सदॅय, िडबॆचरधािरय या िन॑ेपकताॅं ॅारा ठकए गए

ᴼेणी कायᇑवाद को जारी रखने मᱶ आए िविधक ᳞य को पूरा करने के िलए िनिध से रािश का ᮧितपूᳶत करना जैसा ᳰक अिधकरण ᳇ारा इस संबंध मᱶ िविहत ᮧᳰᮓया के अनुसार िविहत है।

(5) िविनधानकताᇑ िशᭃा और संरᭃण:

(i)िविनधानकताᇑ िशᭃा और संरᭃण कायᇑकलाप□ मᱶ लगे ᱟए संगठन□ या संᭃ थान□ या ᳞ यावसाियक िनकाय□ या उ᳒ोग और वािण᭔ य मंडल या अ᭠ य संगठन□ को रिजᭃᮝीकृत करना।

(ii)कारपोरेट सुशासन, अनुसंधान कायᇑ सिहत िविनधानकताᇑ िशᭃा और संरᭃण के ᭃेᮢ मᱶ संगो᳧ ठी, कायᇑᮓम, पᳯरयोजना या कायᇑकलाप□ के िलए पंजीकृत िनकाय□ को अनुदान क᳭ संᭃ वीकृित देना।

(iii)अनुदान क᳭ संᭃ वीकृित के उ□े᭫ य□ क᳭ पूᳶत को सुिनि᳟ चत करने के िलए अनुदान के ᮧयोग पर िनगरानी रखना। (iv)िविनधानकताᇑ िशᭃा, कारपोरेट सुशासन, जागᱨकता और संरᭃण काय□ मᱶ संल□ संᭃ थान□ का साथ और/या सहयोग देना।

(v)अपने वाᭃते या िविनधानकताᇑ िशᭃा और संरᭃण मᱶ लगी इकाइय□ या शैिᭃक संᭃ थान□ या अ᭠ य िनयामक इकाइय□ जैसे शेयर बाजार, िडपोसेटरी, ब.क और पारᭃपᳯरक िनिधय□ के सहयोग से संगो᳧ ठी और िवचार गो᳧ ठी सिहत रा᳦ ᮝ᳞ यापी िविनधानकताᇑ िशᭃा और जागᱨकता पᳯरयोजना का आयोजन करना।

(vi)अनुसंधान और ᮧिशᭃण ᳰᮓयाकलाप□ सिहत कायᇑᮓम; पᳯरयोजना और कायᇑयोजना के िलए इसके लᭃ य और ᳞ यय को ᭟ यान मᱶ रखते ᱟए संᭃ थागत ᳞ यवᭃ था या अवसंरचना क᳭ ᭃ थापना करना।

(vii)िविनधानकताᇑ□ के िहत उ□े᭫ य और िनिध को ᮧा᳙ त करने के िलए सूचना□ का ᮧकाशन और ᮧचार-ᮧसार। (viii)िविनधानकताᇑ□ के िहत संबंधी मु□□ पर के᭠ ᮤीय सरकार को सलाह देना।

(ix)पूंजी बाजार के िवकास के िलए िवशेष अ᭟ ययन/अनुसंधान/िव᳣ लेषण ᮧायोिजत करना।

(6) िवᱫ त, लेखा और लागत :

(i)िनिधय□ के अंतवाॐाह और बिहवाॐाह लेखा□ का अनुर॓ाण करना।

(ii)िविनधानकताॐा□ के खात□ का समउवय करना।

(iii)सभी लेखा ॄरपोट□, लेखा परी॓ा काय□ और वाॐषक ॄरपोट□ कॆ तैयारी करना।

(iv)केउ ॓ीय सरकार को ॄरटनॐ फाइल करना।

(v)ॠािधकरण का बजट तैयार करना और इसकॆ िनगरानी करना।

(vi)अपने-अपने लेखा□ मॆ िविनधानकताॐा□ के दाव□ का खाता लेखा करना। (vii)िविनधानकताॐा□ कॆ िनिधय□ और ॠितभूितय□ के लेखा□ कॆ ॠॊया।

(7)अध् य॓, ॠशासिनक अपे॓ा□ के अनुसार काय□ का पुन: आबंटन, िवलयन या िवभाजन□ का उप-िवभाजन कर सकते ह.।

[फा. सं. 05/27/2013-आईईपीएफ]

मनोज कुमार, संयु□ सिचव

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th January, 2016

G.S.R. 26(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (5), (6) and (7) of section 125 read with section 469 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)º Hkkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 7

1. **Short title, extent and commencement. -** (1) These rules may be called the Investor Education and Protection Fund Authority (Appointment of Chairperson and Members, holding of meetings and provision for offices and officers) Rules, 2016.

2. **Definitions.-** (1)In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Companies Act. 2013;

(b) “Authority” means the Investor Education and Protection Fund Authority constituted under sub-section (5) of section 125 of the Act;

(c) “Chairperson” means the chairperson of the authority appointed under rule (5) of these rules;

(d) “Company” means company as defined in sub-section (20) of section 2 of the Act and includes ‘corresponding new bank’ as defined in sub-section (d) of section 2 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) and clause (b) of section 2 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980);

(e) “Fund” means the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established under section 125 of the Act;

(f) “Investor” means any person, who has committed money in shares, or debentures, bond or deposits under a scheme or plan of a company registered under the Act;

(g) “Member” means members of the Authority appointed under sub-section (6) of section 125 of the Act; and

(h) “Section” means the section of the Act.

(2) Words and expressions used in these rules and not defined herein but defined in the Act or in the Companies (Specification of Definitions Details) Rules, 2014, shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act or in the said rules.

3.Establishment of the Authority.- The Authority shall be established on such date as may be notified by the Central Government.

4. **Composition of the Authority.-** (1) The Authority shall consist of the following, namely:-

(a) Chairperson

(b) six members

(c) Chief Executive Officer

(2) The Chief Executive Officer shall be theconvenor of the Authority.

5. Chairperson of the Authority.- The Secretary, Ministry of Corporate Affairs shall be the *ex-officio* Chairperson of the Authority.

6. Chief Executive Officer of the Authority.- The Central Government shall appoint a person to be the Chief Executive Officer of the Authority.

7. Members of the Authority.- The Central Government may appoint the following as the members of the Authority, namely:—

(i)a person not below the rank of Executive Director to be nominated by the Reserve Bank of India as *ex-officio* member;

(ii)a person not below the rank of Executive Director to be nominated by the Securities and Exchange Board of India as *ex-officio* member;

(iii) four persons having special knowledge and experience of not less than fifteen years, in finance, management, accountancy or law with one person from each discipline and such person shall have special knowledge, or professional experience, which shall in the opinion of the Central Government shall be useful to the Authority.

8.The term of office of members of the Authority.- (1)The members of the Authority appointed under clause (iii) of rule 7 shall hold office for a period of three years and shall be eligible for reappointment;

Provided that no member shall hold office for more than three terms.

Provided further that a member shall be eligible for reappointment after expiration of cooling off period of three years after his term.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Central Government shall have the right to terminate the services of a member appointed under clause (iii) of rule 7, at any time before the expiry of the period specified under sub-rule (1), by giving him notice of not less than three months in writing for reasons mentioned in sub-rule (4), and a member shall also have the right to relinquish his office, at any time before the expiry of the period specified under sub-rule (1), by giving to the Central Government notice of not less than three months in writing.

(3) The members appointed under clause (iii) of rule 7 shall hold office for a period of three years or till attaining the age of 65 years whichever is earlier.

(4) The Central Government shall remove a member from office if he—

(a)is, or at any time has been, adjudicated as insolvent;

(b)is of unsound mind and stands so declared by a competent court;

(c)has been convicted of an offence which, in the opinion of the Central Government, involves a moral turpitude;

(d)has, in the opinion of the Central Government, so abused his position as to render his continuation in office detrimental to the public interest.

Provided that no member shall be removed under this sub-rule unless he has been given a reasonable opportunity of being heard in the matter.

9. **The number of officers and employees of the Authority.-** The Authority shall have such number of officers and other employees for rendering secretarial assistance and for its day to day functions as are set out in Schedule I to these rules.

10. **Functions of the Authority.-** (1) Subject to the provision of the Act, the Authority shall have the duty to administer the Fund for Investor Education and Protection.

(2) The general management of the affairs of the Authority shall vest in the Chief Executive Officer, who may exercise powers, which may be authorised by the Authority.

(3) The Chief Executive Officer shall function under superintendence and direction of the Chairperson.

(4) Without prejudice to the generality of the provisions, the functions of the Authority shall include the following, namely:-

(a) The Authority may constitute permanent Committees for overseeing its functions;

(b) Each Committee shall comprise two members, Chief Executive Officer and concerned functional head, who shall be the secretary of the Committee. The Committee shall be headed by an ex-officio member;

(c) The Committee may invite experts with special knowledge and expertise, as and when required to assist it on any specific issue;

(b)The Authority may outsource, if required, work related to Funds and Shares Management.

(c) The broad functional divisions of the Authority shall be as per Schedule II to these rules.

11. **Meetings.-** (1) The Authority and its Committees shall meet at such times and places as it may consider necessary.

(2)The Authority and its Committees shall determine its own procedure for holding of meetings.
(3) If the Authority or its Committees has to hold a meeting elsewhere than in New Delhi, the approval of the Chairperson of the Authority shall be obtained indicating the reasons thereof. (4) The Authority and the Committees shall meet at least once in a quarter and at least four such meetings shall be held in a financial year:
Provided that not more than one hundred and twenty days shall intervene between two consecutive meetings.
(5) The meeting of the Authority shall be presided over by the Chairperson.
(6) If for any reason, the Chairperson is unable to attend a meeting, any other Member chosen by the Members present from amongst themselves at the meeting shall preside over the meeting.
(7) In case of difference in opinion on any question before the Authority, or any of its Committees, the views of the majority shall be taken as the final decision.
(8) More than fifty percent appointed Members of the Authority shall constitute the quorum for the transaction of business at a meeting of the Authority.
(9) Two members of a Committee shall constitute the quorum for the transaction of business at a meeting of the Committee.

(10) For journeys performed by a non-official member of the Authority or Committee or a special invitee in connection with the work of the Authority or Committee, the actual expenditure for attending the meeting shall be reimbursed, subject to maximum of such expenditure limit applicable to a Senior Administrative Grade officer of Government of India.

12. **Member not to participate in meetings in certain cases.-** A member, who has any pecuniary interest, direct or indirect in any matter that is brought up for consideration at a meeting of the Authority and its Committees, shall, as soon as possible after relevant circumstances have come to his knowledge, disclose the nature of his interest at such meeting and such disclosure shall be recorded in the proceedings of the Authority and its Committees, and the member shall not take

any part in any deliberation or decision of the Authority and its Committees with respect to that matter.

13. **Vacancies, etc., not to invalidate proceedings of Authority.-** No act or proceeding of the Authority and its Committees shall be invalid merely by reason of-

(a) any vacancy in, or any defect in the constitution of the Authority and its Committees;

(b) any defect in the appointment of a person acting as a member of the Authority and its Committees;

(c)any laches in the procedure of the Authority and its Committees not affecting the merits of the case.

14. **Protection of action taken in good faith.-** No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against the Central Government or Authority or any officer of the Central Government or any member, officer or other employee of the Authority for anything, which is in good faith done or intended to be done under these rules.

Schedule I

S. No.	Designation	Pay Scale	Number of posts
1.	General Manager	PB-4 + GP Rs. 8700	01
2.	Assistant General Manager	PB-3 + GP Rs. 5400	01
3.	Senior Accounts Officer	PB-3 + GP Rs. 5400	01
4.	Assistant Accounts Officer	PB-2 + GP Rs. 4800	02

Schedule II

Functional Divisions of the Authority

(1)Administration:

(i) Establishing, equipping, maintaining and operating administrative functions as may be necessary or deemed expedient for fulfilling the objects of the Fund.

(ii) Authority and committees of Authority related matters.

(2) Investment/ Funds Management:

(i) Maintaining funds standing to the credit of Fund, investing the same in interest bearing account of any nationalised bank.

(ii) Opening of depository account of authority and transferring into the account securities of investor and transferring to investors account securities upon settlement of the claim.

(3) Claims and Settlement:

(i) Making refunds to eligible investors after following due procedure in respect of claims lodged by investors in accordance with clause (a) of sub-section (3) of section 125 of the Act
and rules made thereunder.

(ii) Distribution of disgorged amount as per the order of the court or the Authority.

(iii) Distribution of disgorged amount in consultation with Legal and Enforcement Division, to
eligible and identified security holders who have suffered losses due to any wrong actions of
any person in accordance with the order of Tribunal or order of the Authority, as the case may be. The amount to be distributed shall be limited to amount disgorged in respect of any
particular order and no other funds can be used for distribution.

(4) Legal and Enforcement:

(i) Initiation of legal cases against non-compliant companies or persons.

(ii) Handling disputes and legal cases arising out of claims or settlement or any other dispute.

(iii) Reimbursement of funds from Fund for meeting legal expenses incurred in pursuing class action suits under section 37 and 245 of the Act by members, debenture holders or depositors as sanctioned by Tribunal in accordance with the procedure prescribed in this regard.

(5) Investor Education and Protection:

(i) Registering associations or institutions or professional bodies or chambers of commerce and industry or other organisations engaged in investor education and protection activities.

(ii) Sanctioning grants to the registered entities for seminars, programmes, projects or activities in the field of corporate governance, Investors' Education and Protection including research activities.

(iii) Monitoring of the utilisation of the grants to ensure the achievements of the objectives of the sanctioning of the grants.

(iv) Cooperating and collaborating with institutions engaged in Investor Education, corporate governance, awareness, and protection activities.

(v) Conducting on its own or in collaboration with entities engaged in Investor education and protection or academic institutions or other regulated entities like Stock Exchanges, Depositories, Banks and Mutual funds nationwide investors' education and awareness programmes including seminars and symposia.

(vi) Setting up of institutional arrangements or infrastructure for taking up programmes; projects and action plans keeping in view the objectives and expenditure relating thereto, including research and training activities.

(vii) Publishing and disseminating information for investors' benefit and objects and achievements of the Fund.

(viii) Advising Central Government on the issues related to Investors' interest.

(ix) Sponsor specific studies or research or analysis for the development of capital market.

(6) Finance, Accounts and Audit:

(i) Maintenance of accounts of inflow and outflow of funds.

(ii) Reconciliation of accounts of investors.

(iii) Preparation of all accounting reports, audit work and annual report.

(iv) Returns to Central Government.

(v) Preparation of budget of authority and its monitoring.

(vi) Accounting for all claims of investor in respective accounts.

(vii) Procedure for accounting of investors' funds and securities.

(7) The Chairperson may re-allocate functions, merge or sub-divide divisions as per administrative requirement.

[F. No. 05/27/2013-IEPF]

MANOJ KUMAR, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.